

एन0एस0नेगी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,
निदेशक,
खेल निदेशालय,
देहरादून।

खेल एवं युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून

दिनांक 12 सितम्बर, 2008

विषय: टनकपुर स्टेडियम के जीर्णोद्धार हेतु घनावंटन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या 1422/ट0स्टे0प0/2008-2009, दिनांक 2-7-2008 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि टनकपुर स्टेडियम, जीर्णोद्धार हेतु पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम घम्पावत द्वारा तैयार आगणन की रू० 29.42 लाख (रू० उन्नीस लाख बियालिस हजार मात्र) के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा औचित्यपूर्ण धनराशि रू० 29.01 लाख (रू० उन्नीस लाख एक हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए शासनादेश संख्या- 263/VI-1/2008 /2(19)2007 दिनांक 21 जुलाई 2008 के द्वारा आपक नियंत्रण पर रखी गयी धनराशि से श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का तथा जो दरें शिड्युल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन /मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म हैं, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय। उक्त कार्य समयबद्ध ढंग शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
5. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये।
6. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए निर्माण कार्य का सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
7. कार्य कराने पूर्व स्थल का भली भौति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् ही कार्य आरम्भ करें।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जायें। बजट एवं परिव्यय की सीमा तक ही धनराशि का आहरण किया जायेगा।
9. निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जायें।
10. जी0पी0डब्लू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य का पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा। कार्य का समयबद्ध ढंग से शीघ्र पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। विलम्ब के कारण आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
11. किसी भी कार्यालय /संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिग्री कालेजों /मेडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एच0आई0 सी0 के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगणन गठित किये जायें।
12. मुख्य सचिव उत्तरांचल के शासनादेश सं० 2047 XII-219/(2006) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

13. उपरोक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृत व्यय में नित्यव्ययता नितान्त आवश्यक है।
14. किसी भी में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, भंडार कय नियम तथा नित्यव्ययता सम्वन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी०जी०एस०एण्ड डी० की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेण्डर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करात हुये ही किया जायेगा।
15. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-2009 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लखाशोधक -4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूजीगत परिव्यय -03-खेलकूद तथा युवा सेवा खेलकूद स्टेडियम -102-खेलकूद स्टेडियम (लघुशीर्षक 108 के स्थान पर) -09- अवरथापना सुविधाओं का अनुरक्षण -24-ग्रहद निर्माण कार्य के आयोजनागत पक्ष के नामें खाला जायेगा।
17. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा० पत्र संख्या -221 (P) वित्त अनुभाग-3/2008 दिनांक 05 सितम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन०एस०नंगी)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या:- 280 /VI-I/2008-4(14)2008 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० खेल एवं युवा कल्याण मंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- परियोजना प्रबन्धक, पेयजल संसाधन विकास निर्माण निगम चम्पावत।
- 5- वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन / बजट राज कोषीय संसाधन निदेशालय देहरादून।
- 6- एन०आई०सी० सचिवालय देहरादून।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा करें

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव